

ब्रह्मकुमारी राजयोग केंद्र ने शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया

हमें अपने जीवन में सदा खुश रहने के लिए और सदा परमात्मा को प्रसन्न करने के लिए अपने जीवन में 7 'पी' को धारण करे



मनीष कुमार
अम्बाला: ब्रह्मकुमारी राजयोग केंद्र दयाल बाग द्वारा 88वीं निर्मित शिव जयंती महोत्सव ग्रैस पैलेस, महेशनगर, अंबाला कैटर में बहुत धूमधाम से मनाया गया। दीप प्रज्ञलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता, गार्डीय संघोजक साहित्यनिक संघ राजयोगी ब्रह्मकुमारी ग्रात्रा भारत भूमध्य जी ने कहा हैं अपने जीवन में सदा खुश रहने के लिए और सदा परमात्मा को प्रसन्न करने के लिए अपने जीवन में 7 'पी' को धारण करें। पहला पांजितिवटी हमेशा सकारात्मक सोचा है सकारात्मक बोलना है और हमेशा सकारात्मक कार्य करना है। दूसरा प्रशंसा सदा सबको प्रत्याहित करना है उनके

द्वारा किए गए अच्छे कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा करनी है तीसरा पांजितेस सदा विनाप्र होकर रहना है बर्योंक झुकता वो ही है जिसमें जान होती है अकड़ापन तो मुर्दे की पहचान होती है वैथा प्रैक्टिकल लाइफ में हम जो भी दूसरों को करने को कहे वो फल हम स्वयं के कोंकिं लोग वो समझते हैं जो हम करते हैं वो नहीं समझते जो हम बोलते हैं। पांचवा पेंशंस उहोंने कहा अगर हममें पेंशंस नहीं है तो हमें पेंशंस बनने में सदा शरीर की पवित्रता के साथ साथ अपने मन की पवित्रता भी रखनी है ब्रह्मकुमारी संस्था का पांडेशन ही पवित्रता है। इस पवित्रता के बल से ही आज 140 से अधिक देवों में इनकी लगभग 8500 शाखाएँ अपनी सेवाएँ देखते हैं।

मैरा बाकीपुर गांव में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह



टीम एक्शन इंडिया
सोनीपत: ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय सेक्टर 15, अंग्रेज स्कूली संस्था, देवा फाउंडेशन एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह ऐसा बांकीपुर गांव में बनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में बोके प्रमाण द्वारा एवं बोके सुनीता दीदी द्वारा एवं बोके आधात्मिक मध्यस्थता की सहायता से स्वयं, परिवार और समाज को सशक्त बनाने की विधि बताई।

► महिलाओं को आधात्मिक मध्यस्थता की सहायता से स्वयं, परिवार, समाज को सशक्त बनाने की विधि बताई

सा व्यवसाय शुरू किया, अब यह उठें और वहां तक कि उनके आस-पास की महिलाओं को भी रोजगार प्रदान करता है। साथ ही साथ श्रीमती रुबी एवं श्रीमती ललिता जी ने अपने अचार एवं ज्ञेयों के विज्ञेन्स के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में देवा फाउंडेशन से मनीष जी एवं नेहरू युवा केंद्र से मयकर रणा द्वारा गाव की सभी महिलाओं को एक सेन्टरी पैड एवं एक पांच घाँटा बात कर महिला सशक्तिकरण पर शाश्वत दिलाई। कार्यक्रम में देव, लीपांशु, सुखचैन अधिषेक, मनीष, मयंक रणा और गांव की महिलाएं उपस्थित थीं।

'विकसित भारत के लिए स्टार्टअप इंडिया एक अहम कड़ी'

नवाचार

► केयू युआईईटी संस्थान में विद्यार्थियों ने वेस्ट मेट्रिकल एकाडेमी के माध्यम से दिया इको फँडली का संदेश



दलबीर मलिक
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुरुक्षेत्र प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि विकसित भारत के स्वन को साकार करने में स्टार्टअप यूनिवर्सिटी, उद्योगिता एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना अवश्य साकार होगी।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसी उद्देश्य से यूआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित नए एकोडेमी कार्यशाला के नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

कुरुपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार केयू युआईईटी संस्थान में एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है जिसके माध्यम से 1998 मॉडल की मासित करने के लिए उद्देश्य सचदेवा ने कहा कि केयू युआईईटी के लिए एक नियन्त्रित इन्जीनियरिंग विभाग के लिए एक नियन्त्रित एवं नवाचार एक अहम कड़ी है।

जीएमएन कॉलेज में एनसीसी की प्रयोगिक परीक्षा आयोजित



सफलतापूर्वक
► कर्नल के मार्ग दर्शन में एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ।

मनीष कुमार
अम्बाला: हरियाणा कन्या बटालियन एन सी सी सी अंबाला केन्ट के कार्यालय में गाँधी भौमिका परीक्षण के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन एकोडेमी के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ। इस अंबाल के कर्नल संजीव क्षेत्र के परीक्षण के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन एकोडेमी के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ।

मनीष कुमार
अम्बाला: हरियाणा कन्या बटालियन एन सी सी सी अंबाला केन्ट के कार्यालय में गाँधी भौमिका परीक्षण के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन एकोडेमी के लिए एन सी सी सी सर्टिफिकेट की प्रयोगिक परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ।

मनीष कुमार
अम्बाला: हरियाणा कन्या बटालियन एन सी सी सी अंबाला केन्ट के कार



संपादकीय

कानून और रसूखदारों का दैवता



न्याय और गारंटी का मुकाबला

इसमें दो राय नहीं कि प्रभावशाली लोग कानून को खिलौना समझ लेते हैं व्यवस्था भी उनके इस काम में खूब मददार साबित होती है। वर्षों से वरस से देश में ऐसा ही चलता आ रहा है। सख्त से सख्त कानून बनाने और तमाम दुर्सियों के बाद भी रसूखदार कानून का एए दिन मजाक उड़ाने से बाज नहीं आते। कानून को बौंसी साबित करने वाली इस जगत को राजनीतिक संरक्षण हासिल होता है। ऐसे में धनबदल और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लिए व्यवस्था की कमियों और छिड़ी के चलते नियम कानूनों को आसानी से गच्छा देते हैं। अम आदमी की माझूती-सी गलती पर उस पकड़ने में भयरू तेजी दिखाने वाली पुलिस को प्रभावशाली और रसूखदार लोगों तक पहुंचने में वर्त लग ही जाता है। पश्चिम बंगाल में इसकी अवधि कुछ ज्यादा ही लंबी ही जाती है। संदेशशाली मामले से चौथफल निंदा का पात्र बाहर तुष्णमूल कांग्रेस नेता शहजहां शेख 195 दोनों से फरार रहने के बाद पुलिस की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख की मदद कर सकती है तो यह स्वाभाविक है। बड़ी निर्वन्जता से तुष्णमूल कांग्रेस की सरकार अपने नेता का बचाव करती रही। संदेशशाली की महिलाओं ने जिन शब्दों में अपनी पीड़ा का बचान किया है, उससे किसी पथर दिल व्यक्त की भी दिल पिल खसकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल की महिला सुखमंत्री का दिल नहीं पसीजा। भारतीय जनता पार्टी के विरोध और हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद शहजहां को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और अम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी दिल्ली शराब घोटाले में पृथग्नाथ के लिए अब तक अम सन भेज चुका है। जांच एजेंसी के समय पेशा की जबाबदारी के समन को ही देख करता आया। उसके बाद रही तो उसे छुपाए रखा होता। वो कानूनी दोष पैंच से जाँच से बच रहे हैं। और दिल्ली विधानसभा में खड़े होकर केंद्र की जबाबदारी के समन को ही देख चुका है। चूंकि विधानसभा में दिव बयान पर कोई कानूनी करावाय नहीं हो सकती। इसी के चलते केजरीवाल ने विधानसभा को अपनी भड़ास निकालने और राजनीतिक विरोधियों पर मनाहट आया। लगाने का मच बना रहा है। देश की जनता तमाम देख रही है। जिस शराब लोटाले में उनसे पृथग्नाथ होनी है, उसके घोटाले में उनके सपने खोया साथी मनोज सिसोदिया और संन्दर्भ सिंह तिहाड़ की रेटिंगों तोड़ रहे हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किस तरह कानून और संविधान का उपहास उड़ा रहा है, उससे समाज में गलत उदाहरण तो पेश ही हो रहा है। वहीं अम आदमी के मन में यह सवाल भी उठता है कि क्यों कानून रसूखदारों समें कमजोर और असहाय दिखाई देता है?

“ जबकि कांग्रेस का सारा धान राहुल गांधी की भारत जोड़े न्याय यात्रा पर है और किसी भी राज्य में उसका अपने सहयोगी दलों के साथ सीटों की साझेदारी पर कोई निर्णय नहीं हो पाया है। बहरहाल कांग्रेस को राहुल गांधी की मणिपुर से मुंबई तक की विश्वविद्यालय के बाद नहीं तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थाने और अदालत में दरखिल हुआ, उससे यही लगा कि वह कोई शहंशाह है। पश्चिम बंगाल पुलिस उसके आगे दंडबत्ते और सहमती दिखायी। उस सत्ता का संरक्षण प्राप्त था, यह सच्ची तुष्णमूल कांग्रेस के इस कथन से घिनपे वाली नहीं तो उसे गिरफ्तार कर दिया। यह राजदूत और देशी की गिरफ्तारी है कि उसे गिरफ्तार न करने के लिए उच्च न्यायालय के अदाला की गलत व्याख्या तक की गई। यदि ईडी को शक है कि बंगाल पुलिस शाहजहां शेख 195 की गिरफ्त में आया। लेकिन तब, जब कांग्रेस उच्च न्यायालय के उसकर को फटकार लाई। यदि फटकार नहीं लगी होती है तो उसे छुपाए रखा गया होता। वह जिस हनक और रुआव से थ

